वन उत्पादकता संस्थान
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
(वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)
लालगुटवा, एन एच. -23, गुमला रोड, रांची 835303 (झारखण्ड)
INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY
(Indian Council of Forestry Research & Education)
(An Autonomous Body of the Ministry of Environment,Forest and Climate change,Govt.of India)
Lalgutwa,Gumla Road, NH-23, Ranchi-835303(Jharkhand)
E-mail:-dir_ifp@icfre.org, ifpranchi2018@gmail.com
Website:-http://ifp.icfre.gov.in

डा.नितिन कुलकर्णी
निदेशक
Dr.Nitin Kulkarni
Director

Phone: 0651- 2526140
2526021
2526023
08986608161
Fax- 2526150

File No.GEN-III-104/2018-19/Extension /1856 दिनांक: 10.02.2022

सेवा में,

सहायक महानिदेशक
मीडिया एवं विस्तार प्रभाग
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
पो.- न्यू फारेस्ट, देहरादून – 248006 (उत्तराखंड)
ई-मेल – adg_mx@icfre.org.

विषय : आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम प्रतिवेदन बावत।

महोदय,

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 04.02.2022 को खूंटी जिला के तुरीगढ़ा ग्राम में "जल स्रोत प्रबंधन में समुदाय की भूमिका" विषय पर प्रशिक्षण सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया|

आयोजित कार्यक्रम का विस्तृत प्रतिवेदन सचित्र आपके उचित कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सधन्यवाद

आपका भवदीय

संलग्न: उपरोक्त

(नितिन कुलकर्णी)
निदेशक

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
वन विज्ञान केंद्र (VVK) के तहत
जल श्रोत प्रबंधन में समुदाय की भूमिका
विषय पर प्रशिक्षण सह संगोष्ठी
दिनांक : 04.02.2022
स्थान : तुरीगढ़ा, तोरपा, खूंटी
वन उत्पादकता संस्थान, रांची
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत वन विज्ञान केंद्र के अधीन वन उत्पादकता संस्थान, रांची के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी के तत्परतापूर्ण निर्देशन में दिनांक 04.02.2022 को खूंटी जिला के तुरीगढ़ा ग्राम में “जल स्रोत प्रबंधन में समुदाय की भूमिका” विषय पर प्रशिक्षण सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम प्रधान, ग्राम सभा अध्यक्ष सहित लगभग 48 लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए श्री बी.डी.पंडित ने किसानो, जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया एवं आजादी का अमृत महोत्सव की व्याख्या करते हुए वन विज्ञान केंद्र, झारखंड के अधीन इस कार्यक्रम का परिचय दिया।

श्री सुरेंद्र बाड़ा, ग्राम सभा अध्यक्ष ने वन उत्पादकता संस्थान का स्वागत करते हुए ग्रामीणों से इस प्रशिक्षण सह संगोष्ठी कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की।

श्री एस.एन.वैद्य, मु.त.अ. ने जल स्रोत प्रबंधन में वानिकी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होने बताया कि हवा और जल मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता है जो हमें वनों की उपलब्धता से हीं प्राप्त हो सकती है। शुद्ध हवा और शुद्ध पानी के लिए हमें 33% वन रखना आवश्यक है। वन-वर्धन की अपील करते हुए उसके रख-रखाव एवं वृक्षारोपण पर भी बताया। श्री सुभाष चंद्र,

वैज्ञानिक ने प्राकृतिक जल स्रोतों, झरना, नदियों, तालाबों, वर्षा एवं समुद्रों की चर्चा करते हुए इनके चक्रों को विस्तार से समझाया। जल स्रोत चक्रों को बनाये रखने के लिए वानिकी की आवश्यकता जोड़ते हुए श्री चंद्रा ने इसके प्रबंधन के तकनीक से भी अवगत कराया। उन्होने बताया कि नदियों के किनारे वृक्षारोपण, तालाबों की गहराई आदि पर जोर दिया।

श्री बी.डी.पंडित ने वाटर शेड प्रबंधन की बारीकियं एवं उसके महत्व को समझाया। उन्होने बताया कि समुदाय की भागीदारी के बिना वाटर शेड प्रबंधन संभव नहीं है। इसमे समुदाय के लोग अपनी जमीन से प्रवाहित पानी को एक जगह से निकलने की व्यवस्था करें। इसी प्रकार गांव के सारे किसान पानी के बहाव को इस प्रकार नियंत्रित करें कि सभी खेतों का पानी एक जगह एकत्रित हो सके। इस प्रकार जलों का प्रबंधन कर खेतों की जलधारिता बढ़ेगी एवं भूजल स्तर ऊपर आयेगा। आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वाटर हार्वेसटिंग की व्यवस्था अपने-अपने घरो में अवश्य करें।

इस अवसर पर स्कूली बच्चों, ग्राम प्रधान एवं महिलाओं ने कई सवाल किए जिसका सरल भाषा में जवाब देकर संतुष्ट किया गया। ग्राम प्रधान एवं महिला समुह ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे।

श्री सूरज कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

आयोजित कार्यक्रम की झलकियां